उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी जिला नैनीताल।

शोध परिषद की प्रथम बैठक का कार्यवृत्त।

माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में, दिनांक 17 मार्च 2017 (शुक्रवार) को पूर्वाह्नः 11:30 बजे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की शोध परिषद की प्रथम बैठक विश्वविद्यालय सभागार में आहूत की गयी, जिसमें निम्न बाह्य एवं आन्तरिक सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गयाः–

1. प्रोफेसर नागेश्वर राव, — अध्यक्ष
   कुलपति,
   उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
   हल्द्वानी।

2. प्रो0 एम0एस0 सेनम राजू, — सदस्य
   निदेशक अकादमिक,
   स्कूल ऑफ मैंनेजमेंन्ट स्टडीज,
   इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,
   मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

3. प्रोफेसर डी0सी0 पाण्डे — सदस्य
   प्राध्यापक, भूगोल एवं,
   कुलसचिव,
   कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

4. प्रोफेसर एम0एन0 सिंह — सदस्य
   एल0आईजी0, 230 पो0ऑ0
   तेलियारगंज, गोविन्दपुर कॉलौनी,
   इलाहाबाद उ0प्र0

5. प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ला, — सदस्य
   निदेशक, मानविकी, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
   उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी ।

6. प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, — सदस्य
   निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य एवं
   कुलसचिव
   उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
   हल्द्वानी।

06/10/2020

7. प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे
निदेशक, समाज विज्ञान /विधि/व्यावसायिक
अध्ययन विद्याशाखा एवं शोध एवं नवाचार
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

सदस्य सचिव

सर्वप्रथम सदस्य सचिव (शोध परिषद) द्वारा मा0 कुलपति जी (अध्यक्ष) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का शोध परिषद की प्रथम बैठक में स्वागत किया गया। सदस्य सचिव ने विशेष रूप से शोध परिषद की प्रथम बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों प्रो0 एम0एस0 सेनम राजू, प्रोफेसर, डी0सी0 पाण्डे, तथा प्रोफेसर एम0एन0 सिंह का स्वागत किया। सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि मा0 कुलपति जी के विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को पीएच0डी0 कार्यक्रम आरम्भ किये जाने की अनुमति मिली है।

तदुपरान्त मा0 कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों का परिचय देते हुए उनका स्वागत किया। बैठक के प्रथम सम्बोधन में मा0 कुलपति जी ने अवगत कराया कि कि शोध परिषद की प्रथम बैठक के सदस्य प्रो0 एम0एस0 सेनम राजू, निदेशक अकादमिक, स्कूल ऑफ मैंनेजमेंन्ट स्टडीज, इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में निदेशक हैं। कुलपति जी ने प्रो0 एम0एस0 सेनम राजू से आग्रह किया कि वे इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में उठाये जा रहे कदमो से हम सभी को अवगत कराते हुए अपने अमूल्य सुझाव देंने का कष्ट करेंगें, जिससे कि इस विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। तद्पश्चात कुलपति जी द्वारा प्रोफेसर एम0एन0 सिंह का परिचय देते हुए उनका स्वागत किया गया। कुलपति जी ने अवगत कराया कि, प्रोफेसर एम0एन0 सिंह इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में समाज कार्य विभाग में कार्यरत हैं, तथा इससे पूर्व राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उ0प्र0 में कार्यरत रहे थे। प्रोफेसर एम0एन0 सिंह का व्यापक अनुभव एवं मार्गदर्शन इस पाठ्क्रम को संचालित करने में लाभकारी होगा।

कुलपति जी के द्वारा तीसरे बाह्य सदस्य प्रोफेसर डी0सी0 पाण्डे का परिचय देते हुए उनका स्वागत किया गया। मा0 कुलपति जी ने सभी सदस्यों को अवगत कराया कि प्रोफेसर डी0सी0 पाण्डे, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में भूगोल विभाग के प्रोफेसर एवं, कुलसचिव, पद पर नियुक्त हैं। प्रोफेसर डी0सी0 पाण्डे के सुझावों, और मार्गदर्शन में दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकेगा।

बाह्य सदस्यों के स्वागत व परिचय के उपरान्त कुलपति जी द्वारा सभी आन्तरिक सदस्यों का भी परिचय दिया गया।

06/10/2020

(11-6)

शोध परिषद की प्रथम बैठक के सभी सदस्यों के परिचय के उपरान्त कुलपति जी की अनुमति से सचिव द्वारा क्रमवार कार्यसूची के बिन्दुओं को शोध परिषद के सम्मुख रखने की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। प्रस्ताव पर परिषद द्वारा निम्नलिखित निर्णय लिये गयेः–

बिन्दु–01 शोध परिषद की बैठक में प्रस्ताव संख्या–01 पर व्यापक विमर्श किया गया। परिषद द्वारा सर्वसम्मति से यू0जी0सी0 नैट/सी0एस0आई0आर0/आई0सी0ए0आर0 परीक्षा पाठ्यक्रम को पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा के लिये यथावत अंगीकृत किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बिन्दु–02 शोध परिषद द्वारा प्रस्ताव संख्या–02 पर सर्वसम्मति से प्रवेश परीक्षा हेतु प्रश्नपत्रों का स्वरूप यू0जी0सी0 नैट/सी0एस0आई0आर0/आई0सी0ए0आर0 के प्रश्नपत्रों की भांति जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु–03 शोध परिषद द्वारा विभिन्न विद्याशाखाओं के अर्न्तगत संचालित विभागों में पीएच0डी0 पाठ्यक्रम हेतु उपलब्ध रिक्त स्थानों पर सुझाव दिया गया कि विभागों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ही सीटों का निर्धारण किया जाना उचित होगा। अतः रिक्त स्थानों को विज्ञापन किये जाने से पूर्व उपलब्ध स्थानों की पुनः समीक्षा किये जाने के उपरान्त ही मा0 कुलपति जी से अनुमोदन प्राप्त कर कार्यवाही की जाय।

बिन्दु–04 शोध परिषद द्वारा सुझाव दिया गया कि पीएच0डी0 पाठ्य कार्य को 18 केडिट के स्थान 16 केडिट दिये जाय। प्रस्तावित पाठ्यक्रम से जी0आई0एस0 सम्बन्धित ईकाई को विलोपित किये जाने व माडयूल तीन के केडिट भार को 03 के स्थान पर 02 तथा माडयूल छः के केडिट भार को 03 के स्थान पर 02 किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु–05 शोध परिषद द्वारा पंचम प्रस्ताव पर चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों के असाधारण अवकाश में रहने की स्थिति में उनके अधीन पंजीकृत शोध छात्रों का निर्देशन सम्बन्धित शोध निर्देशक द्वारा तब तक किया जाता रहेगा जब तक कि वे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के धारणाधिकार में रहेगें। वर्णित परिस्थितियों में शोध उपाधि अध्यादेश–2016 के प्राविधानों के अनुरूप विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर से को–गाइड की सुविधा प्रदान किये जाने का अनुमोदन सर्वसम्मति से प्रदान किया गया।

बिन्दु–06 अन्य प्रसंग मा0 अध्यक्ष जी की अनुमति के अर्न्तगत पूर्व में पंजीकृत (वर्ष 2012 तथा 2013) शोध छात्रों की सूची का परिषद द्वारा संज्ञान लिया गया। परिषद द्वारा शोध उपाधि अध्यादेश –

06/10/2020

115

56

2016 के अनुच्छेद –14(1) के प्राविधानों के अनुरूप उक्त पंजीकृत छात्रों के पाठ्यक्रम के संचालन का अनुमोदन प्रदान किया गया ।

अन्त में सदस्य सचिव द्वारा अध्यक्ष एवं उपस्थित सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किये जाने के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

18/3/2017

(सदस्य सचिव)

06/11/2020